

लाभ पंचमी

14 नवम्बर

रिद्धि-सिद्धि शुभ-लाभ प्रदाता गणपति दीक्षा

दीपावली में हम अंधकार पर प्रकाश और दरिद्रता पर श्री को प्राप्त करने के रूप में देखते हैं। दीपोत्सव के बाद आने वाली पंचमी उस प्रकाश और श्री को व्यावहारिक जीवन में उतारने का दिवस होता है। दीपावली की रात्रि में लक्ष्मी का आह्वान होता है और पंचमी पर उस श्री को अपने कर्म में परिणत करने अर्थात् कर्म करने का संकल्प लिया जाता है।

“लाभ” का अर्थ है प्राप्ति, उन्नति और हितकारी परिणाम, जबकि “सौभाग्य” का अर्थ केवल धन नहीं, बल्कि जीवन में शुभता, सुखदा, समृद्धि और सुमंगल का आगमन है। इसीलिये लाभ पंचमी को केवल व्यापारियों का पर्व मानना इसके व्यापक अर्थ को सीमित कर देना होगा।

आज के समय में “लाभ” सुनते ही हमारे मन में सबसे पहले पैसा और व्यापारिक मुनाफे का विचार आता है। लेकिन लाभ का अर्थ इससे कहीं व्यापक है। यदि थोड़ा विवेचन करें तो धन के लाभ से आर्थिक स्थिरता, धान्य के लाभ से अन्न और पोषण, ज्ञान के लाभ से विवेक और समझ, स्वास्थ्य के लाभ से शरीर में शक्ति और सामर्थ्य, संतान के लाभ से परिवार की वृद्धि का भाव-चिन्तन, यश के लाभ से समाज में प्रतिष्ठा, सद्बुद्धि के लाभ से सही निर्णय लेने की क्षमता, सद्गुरु के सत्संग/प्रवचन सुनने के लाभ से जीवन की दिशा और सबसे प्रमुख साधना के लाभ से हमारे चित्त और अंतःकरण की शुद्धि, प्राप्त होता है। प्रत्येक साधक व सांसारिक गृहस्थ व्यक्ति को लाभ ऐसा चाहिये जो शुभ हो। जो किसी के अधिकार का हनन, छल-कपट, समाज को नुकसान पहुँचाकर, परिवार में अशांति पैदा न करे।

भारतीय गृहस्थ जीवन में धन के साथ धान्य शब्द को भी जोड़ा गया है। वास्तव में किसी परिवार की समृद्धि उसके सोने-चाँदी से नहीं बल्कि उसके घर में अन्न, पशुधन, स्वास्थ्य, परिवार सुरक्षा, अच्छे संबंध, सुख-शांति, समृद्धि के आधार पर होता है। सौभाग्य का अर्थ है- “जीवन में शुभ परिस्थितियों का विस्तार।” अर्थात्, परिवार में सुख, दांपत्य जीवन में प्रेम-सामंजस्य, संतान की उन्नति-प्रगति, स्वास्थ्य, सम्मान, आर्थिक स्थिरता के सभी दृष्टि से पूर्णता हो। “लाभ पंचमी केवल धन अर्जित करने का पर्व नहीं, बल्कि शुभ कर्मों से अर्जित समृद्धि को जीवन, परिवार और समाज के कल्याण में लगाने का संकल्प-पर्व है।”

लाभ पंचमी के अवसर पर भगवान गणेश की पूजा सम्पन्न की जाती है क्योंकि गणपति प्रथम पूज्य हैं, विवेक और विघ्न-विनाश के स्वामी हैं और लक्ष्मी, श्री और समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी। जब विवेक और समृद्धि साथ चलते हैं, तभी जीवन संतुलित बनता है। इसलिये साधक को लाभ के साथ बुद्धि प्राप्त हो जिससे वह अपने धन को व्यवस्थित कर सके, व्यवसाय के साथ निर्णय क्षमता विकसित हो, धन के साथ विवेक में वृद्धि हो और साथ ही वृद्धि के भाव-चिन्तन के साथ-साथ जीवन के समस्त विघ्नों का नाश भी हो।

रिद्धि-सिद्धि शुभ-लाभ प्रदाता गणपति दीक्षा न्यौ. ₹1800

दीक्षा हेतु नूतन फोटो व न्यौ. राशि कैलाश सिद्धाश्रम जोधपुर 7568939648

न्यौ. राशि NIDHI SHRIMALI SBI UIT Branch Jodhpur A/c No.:20287318460

Branch Code: 006590 MICR Code: 342002010 IFSC: SBINN0006490

आश्रम:कैलाश नारायण धाम E1077 सरस्वती विहार दिल्ली-34 011-45058768 9950980966

सद्गुरुदेव जी के साधनात्मक कार्यक्रम GurudevKailash YouTube KAILASH SIDDHASHRAM पर देखें।

